

ज्ञेयांश

व्याधि परिभाषा सामान्य निरूपण

व्याधियों के प्रकार – आगन्तुज, निज शारीरिक, मानसिक, आदिबल प्रवृत्तादि।

रोग वर्गीकरण

व्याधि क्षमत्व, संवेदनशीलत्व, अनुर्जता निदान पंचक

रोगी परीक्षा विधियां— त्रिविध, अष्टविध, दशविध जनपदोद्ध्वंस

पर्यावरण प्रदोषज विकार

रस—रक्त—प्राण—उदक—अन्न—मेद—अस्थि व मनोवह स्त्रोतोगत व्याधियों का सामान्य परिज्ञान

औपसर्गिक रोग

सूक्ष्मजीवाणु, विषाणु, परजीवीयों के प्रकार, रचना एवं विकृति विवेन,

विसंक्रमण विधिया

वसा, प्रोटीन, शर्कराओं की संरचना, उपयोगिता, न्यूनाधिक्यावस्था में शरीर पर प्रभाव।

पाचक स्त्रावों का सामान्य विवेचन

खनिज एवं जीवतिस्थियों के अभाव में होने वाले रोग।

प्रायोगिक ज्ञेयांश

परीक्षांक –100

कालांश – 40

— रक्त, मूत्र, पुरीषज, छीवन परीक्षण

सी. एस. एफ. परीक्षा

ई. सी. जी. एक्स—रे— एम. आर. आई. इत्यादि परीक्षण

चिकित्सकीय एवं नैदानिक यंत्रोपकरणों का परिचय

क्रियात्मक अंक विभाजन

दैनिक कार्य	10 अंक	रोग एवं रोगी इतिवृत्त पत्रक –10 अंक	प्रयोगशाला परीक्षण	20 अंक	
यंत्र परिचय	10 अंक	आतुरालीय परीक्षण	25 अंक	मौखिक	25 अंक

आलोच्यग्रंथ

1— माधवनिदान, 2— व्याधिविज्ञान — यादव जी, 3— टेक्स्ट बुक ऑफ बायोकेमिस्ट्री—वेस्ट एण्ड टॉड

4— लेबोरेट्री मेन्युअल— राजगोपाल एवं रामकृष्ण, 5— रोगी परीक्षा विधि— आचार्य प्रियव्रत शर्मा

02-02 स्वस्थवृत्त एवं सामाजिक स्वास्थ्य

ज्ञेयांश —

व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्वस्थवृत्त प्रयोजन, स्वस्थ लक्षण, दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतु चर्या, त्रयोपस्तंभ, सद्वृत्त धारणीयाधारणीय वेग, प्रज्ञापराध, निन्दितानिन्दित पुरुष

— आधार, निद्रा, ब्रह्मचर्य का महत्व, — भूमि तथा निवास स्थान, परीक्षण, — वायु, जल एवं प्रकाश की व्यवस्था,

- अपद्रव्य निवारण, – शौच स्थान, – संक्रामक एवं जनपदोर्ध्वस व्याधियां, – यौन संसर्गज व्याधियां बचाव के उपाय,
- पर्यावरण प्रदूषण परिज्ञान, – प्राथमिक स्वास्थ्य संरक्षण, – परिवार कल्याण कार्यक्रम,
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, – मातृशिशु कल्याण कार्यक्रम, – स्वास्थ्य विषयक सांख्यिकी संकलन, विधि, लक्ष्य, जन्म मृत्यु संख्या संकलन विधियां, – स्वास्थ्य शिक्षा प्रचार-प्रसार विधियां

प्रायोगिक परीक्षा

अंक- 100

कालांश- 40

- 1- अंजन, धूम गंडूष कवलविधियों का परिचय
- 2- जल शोधन विधियों का परिचय, परीक्षण, केन्द्र का अवलोकन
- 3- दुग्ध शाला निरीक्षण एवं परीक्षण
- 4- टीकाकरण कार्यक्रम का अवलोकन, सहभागिता
- 5- पर्यावरण एवं अपद्रव्य निवारणोपाय प्रक्रिया अवलोकन

संदर्भ ग्रंथ

- स्वास्थ्य विज्ञान – डॉ. भास्कर गोविन्द घाणेकर
- स्वस्थवृत्त समुच्चय – पं. राजेश्वर दत्त शास्त्री
- टेस्ट बुक ऑफ प्रिवेन्टिव एण्ड सोशियल मेडिसिन – जे. ई. पार्क एण्ड के. पार्क

02-03 चुम्बक एवं वर्ण चिकित्सा

सैद्धान्तिक पत्र – एक
ज्ञेयांश

अंक – 100

कालांश – 80

1. चुम्बक चिकित्सा का सामान्य परिचय एवं इतिहास	2. शरीर का चुम्बकीय चिकित्सा सिद्धान्तानुसार अध्ययन
3. शरीर में चुम्बकीय क्षेत्रों का परिचय	4. चुम्बकीय क्षेत्रों के स्वस्थ व्यक्ति में सामान्य कर्म
5. विभिन्न चुम्बकों के प्रकार	6. चुम्बक चिकित्सा के अनुसार रोग विनिश्चय
7. रोग एवं रोगी प्रकृति	8. चुम्बकीय चिकित्सा की कार्मुकता और क्रम
9. चुम्बक चिकित्सा सिद्धान्त	10. चुम्बक चिकित्सा अवधि
11. चुम्बक चिकित्सा प्रक्रिया निर्धारण	12. चुम्बक चिकित्सा के विभिन्न आयाम
13. षट् चक्र एवं मर्म विज्ञान का चुम्बक चिकित्सा के परिप्रेक्ष्य में महत्व	14. रचना शरीर, क्रिया शरीर का चुम्बक चिकित्सा के सन्दर्भ में पर्यालोचन
15. चुम्बक चिकित्सा के सन्दर्भ में रोग निदान पर्यालोचन।	

प्रायोगिक परीक्षा

अंक- 100

कालांश- 60

1. चुम्बक चिकित्सा का तीस आतुरों पर विभिन्न व्याधियों में प्रयोग कर लिखित अभिलेख परीक्षार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।

02-04 योग दर्शन एवं सिद्धान्त सह योगाभ्यास

प्रश्न पत्र – एक

अंक – 100

व्याख्यान – 90

(1) योग का इतिहास – वैदिक कालीन, उपनिषद् कालीन स्मृति एवं संहिताओं में योग दर्शन योग के आचार्यों का इतिहास एवं काल	(2) योग शब्द की व्युत्पत्ति एवं विविध व्याख्याएं।
(3) योग का सामान्य परिचय, प्रयोजन एवं महत्व।	(4) अष्टांग योग का परिचय।
(5) आयुर्वेद दर्शन एवं योग का तुलनात्मक अध्ययन।	(6) योग के भेद एवं उनका महत्व।
(7) योगा का मनोदैहिक प्रभाव।	(8) षट्कर्म परिचय एवं उपयोगिता।
(9) प्राणायाम की विधि, भेद, लक्षण, रोगनिवारण एवं उपयोगिता।	(10) बन्ध एवं मुद्राओं का सामान्य परिचय।
(11) सत्याबुद्धि: योगसाधना।	(12) योग का मोक्ष एवं वेदनाभाव।

प्रायोगिक

अंक – 100

व्याख्यान – 40

(1) षट् कर्माभ्यास	(2) योगासन, प्राणायाम, मुद्राएं, बन्ध
(3) ध्यान विधियां	

आलोच्य ग्रन्थ –

(1) पातंजल योग दर्शन	(2) हठयोग प्रदीपिका
(3) घेरण्ड संहिता	(4) योग और आयुर्वेद – डॉ. राजकुमार जैन
(5) चरक, सुश्रुत अष्टांग संग्रह के उपयोगी अंश	(6) राजयोग – स्वामी विवेकानन्द

02-05 उपवास चिकित्सा

प्रश्न पत्र – एक

अंक – 100

व्याख्यान – 90

(1) उपवास चिकित्सा का परिचय	(2) उपवास विधियों का इतिहास
(3) प्राणी जगत में उपवास क्रियाओं का सैद्धान्तिक विवेचन	(4) उपवास विज्ञान
(5) उपवास का दार्शनिक महत्व	(6) उपवास विधि का व्याधि, व्याधि प्रकृति, शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव परिज्ञान
(7) “सेन” उपवास विधि के नियम एवं चिकित्सात्मक उपयोग	(8) उपवास विधि के विभिन्न वर्गीकरण
(9) उपवास का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व	(10) उपवास के पूर्व एवं पश्चात् कर्म

प्रायोगिक

अंक – 50

(मौखिक परीक्षा)

- (1) 25 व्यक्तियों पर उपवास चिकित्सा का प्रभावात्मक परीक्षण कर प्रायोगिक परीक्षा के समय प्रत्येक छात्र द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा जिसका मूल्यांकन कर अंक दिये जा सकेंगे।